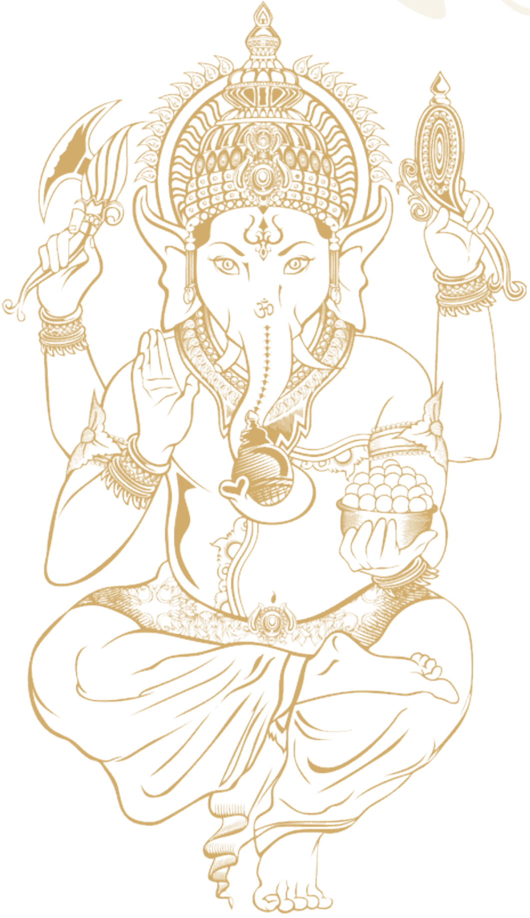

Ms.bindu

13 Nov 2000

07:30 PM

Hojai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121732017

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/11/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	34:36:25 घटी
स्थान	**Hojai**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:00:00 उत्तर
रेखांश	92:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:41:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:11:36 घंटे
वेलान्तर	00:15:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:43:34 घंटे
सूर्योदय	05:39:25 घंटे
सूर्यास्त	16:29:54 घंटे
दिनमान	10:50:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:38:02 तुला
लग्न के अंश	13:27:39 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:27:39	322:22:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	27:38:02	01:00:23	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			वृष	20:14:57	14:26:36	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	11:58:33	00:36:47	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			तुला	08:33:50	00:50:17	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	14:13:00	00:07:33	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	06:43:26	01:11:59	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		वृष	04:06:34	00:04:51	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:59:32	00:05:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:59:32	00:05:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:10:06	00:00:55	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:09:41	00:00:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:04:17	00:02:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	01:39:14	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:51

लग्न-चलित

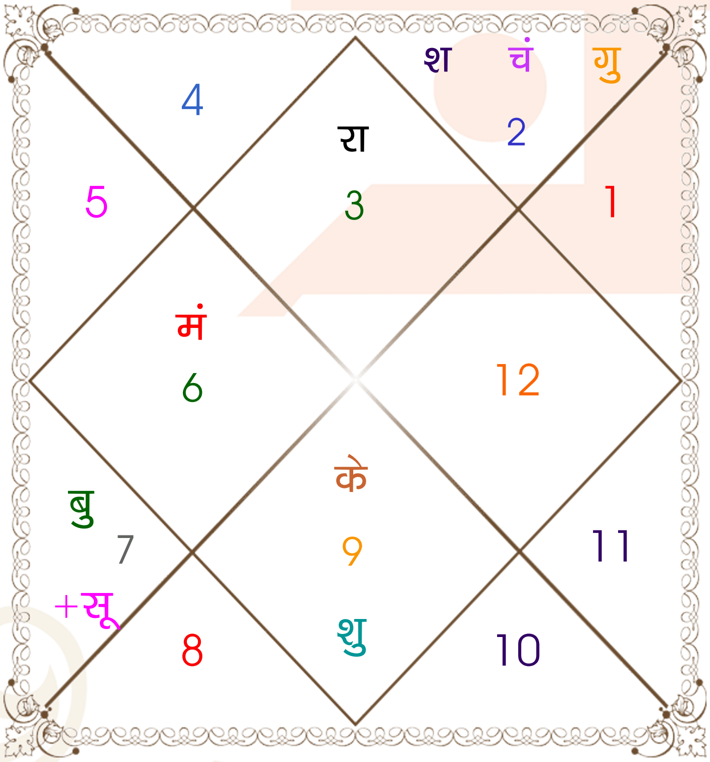

चन्द्र कुंडली

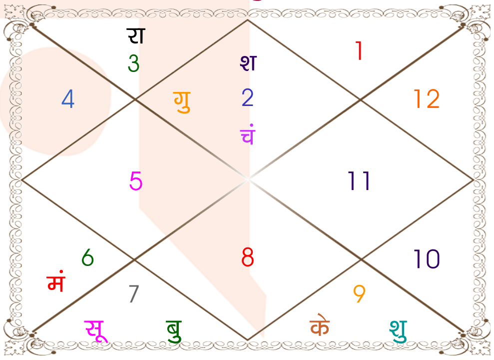

नवमांश कुंडली

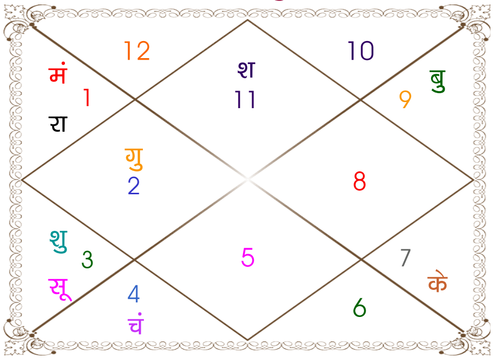

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 3 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/11/2000		**08/03/2003**		**08/03/2010**		**07/03/2028**		**07/03/2044**	
08/03/2003		**08/03/2010**		**07/03/2028**		**07/03/2044**		**08/03/2063**	
	00/00/0000	मंगल	04/08/2003	राहु	18/11/2012	गुरु	26/04/2030	शनि	11/03/2047
	00/00/0000	राहु	22/08/2004	गुरु	14/04/2015	शनि	06/11/2032	बुध	18/11/2049
	00/00/0000	गुरु	29/07/2005	शनि	18/02/2018	बुध	12/02/2035	केतु	28/12/2050
	00/00/0000	शनि	07/09/2006	बुध	06/09/2020	केतु	19/01/2036	शुक्र	27/02/2054
	00/00/0000	बुध	04/09/2007	केतु	25/09/2021	शुक्र	19/09/2038	सूर्य	09/02/2055
	13/11/2000	केतु	31/01/2008	शुक्र	24/09/2024	सूर्य	08/07/2039	चंद्र	09/09/2056
केतु	06/01/2001	शुक्र	01/04/2009	सूर्य	19/08/2025	चंद्र	06/11/2040	मंगल	19/10/2057
शुक्र	07/09/2002	सूर्य	07/08/2009	चंद्र	18/02/2027	मंगल	13/10/2041	राहु	25/08/2060
सूर्य	08/03/2003	चंद्र	08/03/2010	मंगल	07/03/2028	राहु	07/03/2044	गुरु	08/03/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/03/2063		**07/03/2080**		**08/03/2087**		**09/03/2107**		**09/03/2113**	
07/03/2080		**08/03/2087**		**09/03/2107**		**09/03/2113**		**00/00/0000**	
बुध	04/08/2065	केतु	04/08/2080	शुक्र	08/07/2090	सूर्य	27/06/2107	चंद्र	07/01/2114
केतु	01/08/2066	शुक्र	04/10/2081	सूर्य	08/07/2091	चंद्र	26/12/2107	मंगल	08/08/2114
शुक्र	01/06/2069	सूर्य	09/02/2082	चंद्र	08/03/2093	मंगल	02/05/2108	राहु	07/02/2116
सूर्य	07/04/2070	चंद्र	10/09/2082	मंगल	08/05/2094	राहु	27/03/2109	गुरु	08/06/2117
चंद्र	07/09/2071	मंगल	06/02/2083	राहु	08/05/2097	गुरु	13/01/2110	शनि	07/01/2119
मंगल	03/09/2072	राहु	24/02/2084	गुरु	07/01/2100	शनि	26/12/2110	बुध	08/06/2120
राहु	23/03/2075	गुरु	30/01/2085	शनि	09/03/2103	बुध	02/11/2111	केतु	14/11/2120
गुरु	28/06/2077	शनि	11/03/2086	बुध	07/01/2106	केतु	08/03/2112		00/00/0000
शनि	07/03/2080	बुध	08/03/2087	केतु	09/03/2107	शुक्र	09/03/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।